

गिफटेबल्ड फाउंडेशन

व्यापक दिव्यांग पुनर्वासि कार्यक्रम,
उत्तर प्रदेश

Gift
Able

Fostering Inclusion

जनवरी 2023

गिफटेबल्ड फाउंडेशन

दिव्यांगजनों के लिए प्रशिक्षण तथा कौशल विकास केन्द्र

1. आजीविका
★ मशरूम खेती का प्रशिक्षण
★ सिलाई प्रशिक्षण
★ मसाला बनाने का प्रशिक्षण

2. दिव्यांग बच्चों के विकास के लिए स्वास्थ्य सुविधा

3. स्नातक/परास्सनातक दिव्यांग शिक्षार्थियों को कौशल में प्रशिक्षण के बाद बहु राष्ट्रीय कम्पनी (एम.एन.सी.) में रोजगार के लिए साक्षात्कार करवाना

पता- डी.एम. कार्यालय रोड, गुलाबी भवन, बड़ा धुसाह, बलरामपुर-271201
संपर्क सूत्र - +91 7337877164
www.giftabled.org

inclusion@giftabled.org


Fostering Inclusion



फाउंडेशन के बारे में

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क -

- बच्चों के लिए चिकित्सा सुविधा
- कंप्यूटर प्रशिक्षण
- कम्युनिकेशन स्किल
- सिलाई मशीन प्रशिक्षण
- बैग बनाने का प्रशिक्षण
- बैग छापने का प्रशिक्षण
- मसाला, मशरूम, मुरब्बा का प्रशिक्षण



गिफ्टेबलड फाउंडेशन के बारे में



Fostering Inclusion

गिफ्टेबलड फाउंडेशन समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है ताकि हम सामूहिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकें।

हमारा उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को इस तरह सशक्त बनाना है कि वे गरिमा और आत्म सम्मान के साथ जीवन जी सकें!

स्वतंत्रता - आजीविका संसाधन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

Gift
Able

Fostering Inclusion



उत्पाद के प्रकार -

- सलवार
- सूट
- फ्रॉक
- प्लाजो
- पैजामा
- बैग, इत्यादि



सम्पूर्ण सिलाई कोर्स

- मास्टर टेलर के द्वारा प्रशिक्षण
- मार्केटिंग एक्सपर्ट के द्वारा प्रशिक्षण
- सिलाई का काम एक हुनर है और आज के समय में ये हुनर कई लोगों को घर बैठे रोजगार दे रहा है जिसमें महिलायें सबसे आगे हैं
- सिलाई का काम एक ऐसा काम है जिसे आप कहीं पर भी रहकर कर सकते हैं और अच्छे पैसे कमा सकते हैं
- दिव्यांग और गरीब लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

सभी प्रकार के लेडीज कपड़ों की सिलाई

www.giftabled.org

मसाला बनाने का प्रशिक्षण

Gift
Able

Fostering Inclusion



100 प्रतिशत शुद्ध देशी मसाले

दिव्यांग जनों के द्वारा संपूर्ण स्वच्छता के साथ प्राकृतिक गुणवत्ता संयुक्त मसालों का निर्माण करना जैसे- हल्दी, धनिया, मिर्चा, गरम मसाला इत्यादि.





- दिव्यांग लोगो को मशरूम खेती के प्रशिक्षण के माध्यम से बदलते मौसम में खेती से रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाना
- मशरूम कम्पोस्ट बनाने से लेकर उगाने तक की विधिवत जानकारी दिव्यांग लोगो को आसान भाषा और शैली में देना
- मशरूम कटाई और पैकिंग प्रशिक्षण
- मशरूम बेचने के लिए बाजार से जोड़ना



अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस



समारोह के बारे में -

- प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस समारोह मनाया जाता है
- इस वर्ष बलरामपुर में गुलाबी भवन के परिसर में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक, मुख्य विकास अधिकारी, दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी, एमएलके पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य और सहायक संस्था के प्रमुख उपस्थित रहे
- 300 से ज्यादा दिव्यांग जनों ने इस समारोह में भाग लिया लिया



International
Day of
Persons with
Disabilities
3 DECEMBER

लार्नेबल्ड - दिव्यांग स्नातकों के लिए बुनियादी रोजगार कौशल विकास



Fostering Inclusion



स्नातक/परास्नातक दिव्यांगजनों को रोजगार प्रशिक्षण

- कंप्यूटर का प्रशिक्षण
- अंग्रेजी बोलना सिखाना
- साक्षात्कार का प्रशिक्षण
- कौशल में प्रशिक्षण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनी में रोजगार के लिए साक्षात्कार करवाना



कृष्णा, 8 साल

मेरा नाम रामकिशोर है मैं कृष्णा का पिता हूं. मैं हास्टीह का रहने वाला हु मैं गिफटेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु. मेरा लड़का पहले थोडा भी नहीं चल पता. आज के समय में मेरा लड़का थोडा थोडा चलने लगा है. संस्था से मेरे लड़के को AFO मिला है और थेरेपी भी लगातार मिलती है.



दिवाकर, 7.5 साल

मेरा नाम प्रियंका है दिवाकर मेरा भाई है और मैं हास्टीह की रहने वाली हु. मेरा भाई बोल और सुन नहीं सकता है जब से हम गिफटेबल्ड फाउंडेशन से जुड़े है थोडा बदलाव हो रहा है और मेरा भाई कुछ चीजों को समझने लगा. पहले ये पेंसिले भी नहीं पकड पता था आज के समय में पेंसिल पकड़ने के साथ साथ लिखने भी लगा है.

अंकित, 11 साल

मेरा नाम गुथे मौर्या है मैं अंकित का पिता हु और मैं गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु. मेरा बच्चा जन्म से ही दिव्यांग है. मेरे बच्चा का लार टपकता था लेकिन जब से मेरे लड़के को लगतार थेरेपी मिल रही है तब से लार टपकना कम हो गया है और यह अब थोडा थोडा चलने की कोशिश भी करने लगा है और थोडा सा सहारा मिलने पर स्वयं चलता है. मेरे लड़के को गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से AFO मिला है.



सत्यम पटेल, 10 साल

मेरा नाम धुरुव कुमार वर्मा है मैं सत्यम पटेल का चाचा हु ये मेरे भाई का लड़का है सत्यम के पापा का नाम सुरेश कुमार वर्मा है. सत्यम पूरी तरह से दिव्यांग है यह न बोल पाता है न खा पाता है न उठ पाता है न बैठ पता है और न ही चल पता है. मैं गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु मैं उदईपुर का रहने वाला हु. मेरे बच्चे का AFO और Gaiter की मापी हो गयी है.

पिता और माताओं का आवासीय प्रशिक्षण

(12 दिसंबर 2022 से 15 दिसंबर 2022 तक)

Gift
Able

Fostering Inclusion



दिव्यांगता के प्रति माता-पिता को जागरूक करना

- 2 साल से 13 साल तक के विकासात्मक विलंब बच्चों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना
- दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझना
- उनके आवश्यकताओं के अनुसार उनकी जरूरतों को पूरा करना
- दिव्यांग बच्चों से कैसे व्यवहार करना





29 अक्टूबर को सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया जिसमें 46 दिव्यांग बच्चों ने अपने माता पिता के साथ भाग लिया था जिसमें मुख्य अतिथि बलरामपुर के प्रधान अध्यक्ष शांतिभूषण शुक्ल थे. इस कार्यक्रम का मुख्या उद्देश्य था कि बच्चों के माता पिता को जागरूक करना. उनको दूसरे बच्चों के माता पिता से संपर्क कराना.

बच्चों के स्वास्थ्य, खाना खिलाने, बच्चे को किस चीज की जरूरत है उसके बारे में जागरूक करना.



न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर वाले बच्चों और युवाओं के विकास में परिवार की भूमिका



Fostering Inclusion

कार्य, अक्षमता और स्वास्थ्य के अंतर-राष्ट्रीय वर्गीकरण [संक्षिप्त में ICF] के 2001 के W.H.O अनुकूलन ने हमें NDD के साथ बच्चों और युवाओं के साथ काम करने के लिए एक बहुत ही सार्थक टेम्पलेट दिया है। रुब्रिक FWORDS के तहत समझने योग्य प्रारूप में माता-पिता के लिए इन अवधारणाओं को सरल बनाया गया है।

यह मॉडल सहायक उपकरणों के साथ या उसके बिना सुलभ संदर्भ में हमारी सोच को इलाज से इष्टतम कार्यप्रणाली में बदल देता है ताकि किसी भी प्रकार की बाधाएं कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप न करें।

परिवार को विकासात्मक इंजन और सूक्ष्म वातावरण माना जाता है जिससे बच्चे स्वतंत्र व्यक्तियों के रूप में एक समायोजित समाज में काम करने वाले पूरी तरह कार्यात्मक वयस्कों में विकसित होते हैं। ऐसा होने के लिए माता-पिता और पेशेवरों को कुछ बुनियादी बातों को समझने की जरूरत है जो सकारात्मक मुकाबला करने में मदद करते हैं जो बच्चे को एक आत्मविश्वासी, स्वतंत्र व्यक्ति बनने के लिए विकसित करेगा जो अपनी सीमाओं और प्रतिबंधों को स्वीकार करता है और धूप में अपना सही स्थान पाता है। इस विचार का समर्थन करने के लिए, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों [RPWD] की वैश्विक स्वीकृति है जो अब हमारे देश में एक अधिनियम है। माता-पिता और पेशेवरों को परिवार केंद्रित सेवाओं के मूल्य को समझना होगा और व्यक्ति और बच्चे की पसंद और क्षमता के अनुसार जीवन के सभी क्षेत्रों में बच्चे की समावेशी और स्वीकृत भागीदारी के साथ सकारात्मक पारिवारिक विकास के कौशल को सीखना होगा।

परिवार-केंद्रित देखभाल (FCC) परिवार और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने के लिए एक साझेदारी दृष्टिकोण है।